Publication : Swatantra Bharat
Edition : Lucknow
Date :3/5/07 Page No. 6

सेवानिवृत्त सिपाहियों को अब भटकना नहीं पड़ेगा

लखनऊ, २ मई (सं.)।

देश की रक्षा में अपना जीवन दाँव पर लगा देने के पश्चात सेवानिवृत्त सिपाहियों को अब अपनी रोजी-रोटी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। उन्हें स्वावलम्बी बनाकर उनके स्वाभिमान को बरकरार रखा जायेगा।

प्रोजेक्ट हीलिंग टच के संयोजक मुकेश आनन्द ने आज एक गोष्ठी के दौरान उक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट कारगिल युद्ध के पश्चात वर्ष 1999 में शुरू किया गया था। इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य उन सिपाहियों की सहायता करना था, जो भारतीय सेवा से सेवानिवृत्ति के बाद कुछ कार्य करना चाहते हैं तथा एक इज्जत का जीवन बिताना चाहते हैं। यह मिशन विजय-2 के उन भारतीय सिपाहियों के भविष्य की रक्षा करने का हैं जिन्होंने अपना सब कुछ निछावर कर हमारे देश की सीमाओं की रक्षा की है।

उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट में पैप्सिकों ने अपना पूरा सहयोग दिया। इस साझेदारी से भारतीय सिपाहियों को लाभ हुआ है उन्हें एक मजबूत रास्ता मिला है। 38 सेवानिवृत्त सिपाही इस पेप्सिकों नेटवर्क का हिस्सा है जिसमें छः जम्मू में तैनात है। वर्ष 2012 तक यह प्रोजेक्ट 2 लाख सेवानिवृत्त लोगों को स्वतः रोजगार में लगा देगा।

गोष्ठी में आये सेवानिवृत्त सुबेदार मेजर रूपलाल शर्मा ने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद प्रोजेक्ट हीलिंग टच ने एक बार फिर अपने पैरों पर खड़ा होने में सहायता की। सूबेदार शर्मा ने 32 साल तक के देश की सेवा की उनकी तैनाती सियाचिन ग्लेशियर में भी रही और आपरेशन विजय में कारगिल युद्ध में भी शामिल हुये।

इसी तरह कारगिल की लड़ाई में अपना बाया पैर गवा देने के बाद सिपाही ओम प्रकाश इस प्रोजेक्ट से जुड़ कर अपना जीवन निर्वाह कर रहे हैं।